



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 25, 1982/चैत्र 4, 1904

No. 109] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 25, 1982/CHAITRA 4, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचनाएँ

नई विल्ली, 25 मार्च, 1982

का०आ० 167(अ).—केन्द्रीय सरकार द्वा यह समाधान हा गया है कि फावेरी शुरूर पृष्ठ कैमोकल्स लिमिटेड, जो तमिलनाडु गोड़ के तिरुचिरापल्लि ज़िले में पेट्टावायलालै में चर्च नी का विनियोग कर रहा है, जो अधिसूचित चर्च उपकरण है, के संबंध में, चर्च नी उद्योग में उत्पादन का मात्रा में कम्भी न छोड़ देने का दृष्टि से, गवर्नावारण के हित में होगा करना आवश्यक है।

अन. वेस्टर्न बरकार, चर्च नी उपकरण (प्रबन्ध ग्रहण) प्रधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के अण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) को अधिसूचना सं. 112(अ) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुक्रम में यह घोषणा करता है कि नारेंव 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्ण प्रकल्प एवं उसी मंदिशओं, सम्पत्ति-त्रस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचांगों, स्थाया आदेशों द्वा अन्य लिखत (उनमें भिन्न जा बैंकों और वित्तीय भंस्याओं के प्रतिभूत वायस्तों से संबंधित है) से श्रोद्धृत या उद्धृत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायत्यां का जिनका उक्त चर्च नी उपकरण या उक्त चर्च नी उपकरण का स्वामी एक पक्षकार है या जो उक्त चर्च नी उपकरण या ऐसे व्यक्ति

को लागू किए जा सकते हैं, प्रथमें 28 मार्च, 1982 में एक वर्ष की और अवधि के लिए जिम्मेदार रहेगा।

[का०आ० 13-1/82-प्र० नम० य००-प्र०]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 25th March, 1982

S. O. 167 (E)—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Cauvery Sugar and Chemicals Limited, Cauvery Factory, manufacturing sugar at Pettaivayalai in the district of Tiruchirapalli in the State of Tamil Nadu, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 112(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accuring or arising out of

all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owing the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13/1/82-NSU-G]

का० आ० 168 (अ)—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि अधिकारी शुगर मिल्स, जो उत्तर प्रदेश राज्य के मुरादाबाद जिले में राजा का सहसपुर में चैनी का विनियोग कर रहे हैं, जो अधिकूर्तान उपक्रम है के संबंध में, चैनी उद्योग में उत्पादन का मात्रा में न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः केन्द्रीय सरकार, चैनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) का धारा 7 की उपधारा (2) के मात्र पठित उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त जिलों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (वाच्य विभाग) की अधिकूर्तान मा० 110(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं कि तारीख 28 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, कारारों, बारातान्तरणों, वंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटोकूल या उद्भूत होने वाले उन सभी वाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चैनी उपक्रम का स्वामी पक्षात् प्रयोग दायित्वों का, जिन का उक्त चैनी उपक्रम या उक्त चैनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षात् किए जा सकते हैं प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर अवधि के लिए नियमित रहेगा।

[फा० सं० 13-1/82-ए० ए० य० य०-ए०]

S.O. 168(E)—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Ajudhia Sugar Mills, manufacturing sugar at Raja-ka-Sahaspur in the district of Muradabad in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O.106(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F.No.13-1/82-NSU-A]

का० आ० 169 (अ)—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि जाजामाता सहकारी शक्कार कारखाना लिमिटेड, जो महाराष्ट्र राज्य के बुलढाना जिले में शक्कार नगर में चैनी का विनियोग कर रहा है, जो अधिसूचित चैनी उपक्रम है, के संबंध में, चैनी उद्योग में उत्पादन की मात्रा में कमी न होने को दृष्टि से, सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः केन्द्रीय सरकार, चैनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) के धारा 7 की उपधारा (2) के मात्र पठित उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त जिलों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (वाच्य विभाग) की अधिकूर्तान मा० 110(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं कि तारीख 28 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, कारारों, बारातान्तरणों, वंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटोकूल या उद्भूत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चैनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चैनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 23 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर अवधि के लिए नियमित रहेगा।

[फा० सं० 13-1/82-ए० ए० य० य०-ए०]

S. O. 169 (E)—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, manufacturing sugar at Shankarnagar in the district of Buldana in the State of Maharashtra, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over the Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 110 (E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 23rd March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-E]

का० आ० 170 (अ)—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो गया है कि यह बहुत न समझ निह शुरू भिन्न लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के लाईटनगर जिले में ताराते चैनी का विनियोग कर रही है, जो अधिकूर्तान चैनी उपक्रम में उत्पादन का मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के लिए नियमित रहेगा।

अतः केन्द्रीय सरकार, चैनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) को धारा 7 की उपधारा (2) के मात्र पठित उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त जिलों का प्रयोग करने हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (वाच्य विभाग) की अधिकूर्तान मा० 107(प्र) तारीख 19 फरवरी, 1982 के अनुकम में यह घोषणा करते हैं कि तारीख 23 मार्च, 1980 के ठोक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, कारारों, बारातान्तरणों, वंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोटोकूल या उद्भूत होने वाली सभी वाध्यताओं और दायित्वों का, जिनका उक्त चैनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो चैनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर अवधि के लिए नियमित रहेगा।

[फा० सं० 13-1/82-ए० ए० य० य०-ए०]

S.O. 168(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Rai Bahadur Narain Singh Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Lhaksar in the district of Saharanpur in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 107(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-B]

का०आ० 171 (अ) — केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि श्री मंत्रीशम शुभर कम्पनी, लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले में वैनालुरु में वन एवं वनर्पिंग रु० रु० है जो अधिसूचित वनों की उत्क्रम है के बंध में, वनों उद्योग में उत्पादन का साक्षा में कमो न होने देने की इच्छा ये, नर्मदा प्रारंग के हित में होना करना आवश्यक है ।

अत केन्द्रीय सरकार, चौंके उकाना (केन्द्रीय गद्दग) अधिनियम 1978 (1978 का 49) के प्रारंभिक उपचार (१) के तथा प.५८ अधिनियम (१) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों ने अपने करों हुए, और भारत सरकार के कोंपार्टमेंट (वायरलेस) के परिवृत्त सं० 108 (१) तरीके १० ए.स. १९८१ के अनुसार में रद्द गया करने के लिए तारीख २९ मार्च १९७१, १३७ ई.पू. ८ तो सरों अंदिवारों, सरपंच हस्तान्तरण उका, हाई कोर्ट, अवन्वितान, राज्यों, संघीय आदिगों या सन्त्र्य विवरों में प्रदर्शन उका वा उका विवरों योर दातेवारों का जिनव उका चतुर उकाना या उका वाता उककत का च्वर्द्दि प्रदर्शन है वा जा बन उकाना या ऐसे व्यक्तियों को लागू किए जा सकते हैं, प्रदर्श २३ मार्च, १९८२ में प्रदर्श वर्ष को और अवधि के लिए नियमन रखेता।

S.O. 171(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Baitalpur in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production in the sugar industry.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 108(E), dated the 19th February, 1981, the

Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-C]

कां० आ० 172 (अ)--- केन्द्रीय सरकार का यह मनाधन हो गया है कि देवरिया चेनी मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया ज़िले में देवरिया में चेनी का विनियोग कर रहा है, जो अधिकृतिकृत चेनी उत्पन्न करता है, के वयव संचार ने उत्तर प्रदेश की माला में करो न होने देने के दण्डित से, भर्त्ता प्रगति के द्वारा भेजा करता प्राप्त है।

उन केन्द्रीय सरकार, जो ने उपकरण (परवर व्रडग) परिविधि, 1978 (1978 का 49) के धारा 7 के उत्तराना (१) के तराना उत्तराना (१) के खड़ (व) द्वारा प्रदत्त जेतता के प्रवारार करने हुए, और भारत सरकार के कृप्ये खंडान (खाद्य विभाग) की अधिकृतवाचन सं० 109 (प्र) तारं ख 19 फरवरी, 1981 के पशुकर में यह घोषणा करना है कि तारं ख 28 मार्च, 1980 के उत्तराना प्रवारा ११८ सभी राजिकाओं, संपत्ति हस्तांतरण पदों, कर्गरों, व्यवसायानों, परवरों, खाद्य अदिगों या अन्य लिखनों से प्रोटोकूल तें उद्भूत होने वाली गर्ने वाध्यताओं और दायित्वों वा जिनका उत्तर चीर्ने उपकरण या उत्तर जो ने उत्तर का रवानी एक पक्ष-कार है या जो चीर्ने उपकरण या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं प्रवर्तन २८ मार्च, 1982 में एक वर्ग के और अवधि के लिए निर्दिष्ट रहेंगे।

फा० सं० १३-१/८३-एन० एस० य-गच

S.O.172(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 109(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts assurances of property, agreements, settlements, award, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-D]

का० आ० 173 (अ)---केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि सैक्सरिया वी० मिल्स लिमिटेड, जो उत्तर प्रदेश राज्य के गोंडा जिले में बहनाम में चौनी का विनिर्माण कर रही है, जो अधिसूचित चौनी उपकरण है, के संबंध में, चौनी उद्योग में उत्पादन को मात्रा में कमी न होने देने की दृष्टि से सर्वसाधारण के लिए में ऐसा करना मालव्यक है।

प्रतः केन्द्रीय सरकार, जीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के बड़ (ब) वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि नियाय (बाय विभाग) को अधिकृता सं० III (प्र) तारीख 19 फरवरी, 1981 के अनुक्रम में यह घोषणा करती है कि तारीख, 28 मार्च, 1980 के ठीक पूर्वे प्रत्येक वर्षों मावदाश्रा, सपनि, हल्लान-रण पद्मो, करसों, अवस्थानां, पवारी, स्कार आदेशों द्वा० अन्य लिपियों (उनमें भिन्न जो दैरी श्रीर वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिसूत दायत्वों में स्वं-धित हैं) से ग्राम्यम या उद्भूत होने वाले गवां बादायां और शादेवों का जितना उक्त वर्ती उपक्रम या उक्त वर्ती उपक्रम का स्वातं एक पक्षकार है या जो वर्ती उपक्रम या उपक्रम को लागू किए जा सकते हैं, प्रत्यंत 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर शक्ति के लिए नियमित रहेगा।

[फा० सं० 13-1/82-एन० एस० य०-एच]

S. O. 172 (E)—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Seksaria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Babhnan in the district of Gonda in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section(1) read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 111 (E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1982.

[F. No. 13-1/82-NSU-H]

फा० आ० 173 (अ)—केन्द्रीय सरकार का यह नियायात हो गया है कि श्री केशोगयपाटन महकारे शुगर मिल्स लिमिटेड, जो राजस्थान राज्य के बृद्धी जिले में केशोगयपाटन में वर्ती का विनियोग कर रही है, जो

प्रधिसूचित जीनी उपक्रम है, के संबंध में, जीनी उचित में उत्पादन की मात्रा में कमी न होने देने की वृद्धि से, मर्वसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है।

प्रतः केन्द्रीय सरकार, जीनी उपक्रम (प्रबंध ग्रहण), अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के बड़ (ब) वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि नियाय (बाय विभाग) को अधिकृता सं० 113(अ) तारीख 19 फरवरी, 1981 के दृढ़त्वे वर्षे वाला गवां आदेश, संरक्षित-हस्तानरण पद्मो, करसों, अवस्थानां, पवारी, जो आदेश वर्षों में अन्य लिपियों (उनमें भिन्न जो दैरी श्रीर वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिसूत दायत्वों से संबंधित हैं) से ग्राम्यम या उद्भूत होने वाली वर्षीय अवस्थाओं और दायित्वों का जितना उक्त वर्ती उपक्रम या उपक्रम का स्वातं एक पक्षकार है या जो जीनी उपक्रम या उपक्रम को लागू किए जा सकते हैं, प्रत्यंत 28 मार्च, 1982 से एक वर्ष की ओर शक्ति के लिए नियमित रहेगा।

[फा० सं० 13-1/82-एन० एस० य०-एच]

नो० एन० राघवन, संयुक्त भवित्व

S. O. 173 (E)—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shri Keshoraipatan Sakharai Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Keshoraipatan in the district of Bundi in the State of Rajasthan, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S. O. 113(E), dated the 19th February, 1981, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 28th March, 1980 (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or that person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[F. No. 13-1/82-NSU-H]

(C. N. RAGHAVAN), Jt. Secy.